संपादकीय

बेरोजगारी पर हो बात

यह वाकई चिंता का विषय है कि नोटबंदी के बाद बीते दो वर्षों में असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले 50 लाख लोगों ने अपना रोजगार खो दिया है। यह जानकारी बेंगलुरु स्थित अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी के सेंटर ऑफ सस्टेनेबल एंप्लॉयमेंट (सीएसई) द्वारा मंगलवार को जारी रिपोर्ट स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 2019 में दी गई है। यह रिपोर्ट सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) द्वारा हर चार महीने पर 1,60,000 परिवारों के बीच किए गए सर्वेक्षण के अध्ययन पर आधारित है।

सीएसई के अध्यक्ष और रिपोर्ट के मुख्य लेखक प्रो. अमित बसोले का कहना है कि कहीं और नौकरियां भले ही बढ़ी हों और कुछ लोगों को शायद उसका लाभ भी मिला हो, लेकिन इतना तय है कि पचास लाख लोगों ने अपनी नौकरियां खोई हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा नहीं है। रिपोर्ट में ऐसा कोई दावा नहीं किया गया है कि लोगों के बेरोजगार होने की मुख्य वजह नोटबंदी है। उपलब्ध आंकड़ों से दोनों के बीच कोई सीधा रिश्ता नहीं जुड़ता। रिपोर्ट के अनुसार नौकरी खोने वाले 50 लाख पुरुषों में ज्यादातर कम शिक्षित हैं। मुश्किल यह है कि बेरोजगारी पर किसी भी बातचीत को केंद्र सरकार अपने ऊपर हमले के रूप में लेती है। पिछले दिनों बेरोजगारी को लेकर एनएसएसओ के आंकड़ों पर काफी विवाद हुआ और सरकार ने उन्हें आधिकारिक रूप से जारी ही नहीं किया। यह बात मीडिया के माध्यम से सामने आई कि एनएसएसओ ने 2017-18 में बेरोजगारी की दर 6.1 प्रतिशत आंकी है जो पिछले 45 साल का सर्वोच्च स्तर है। इसके बाद नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने हड़बड़ी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर कहा कि ये आंकड़े अंतिम नहीं हैं क्योंकि सर्वेक्षण अभी पूरा नहीं हुआ है। लेकिन इसके बाद भी सरकार ने स्पष्ट नहीं किया कि बेरोजगारी पर सरकारी आंकड़े हैं क्या? सत्तारूढ़ दल ने विपक्ष पर बेरोजगारी के आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर बताने और उनपर राजनीति करने का आरोप लगाया। बेरोजगारी लोगों के लिए जीवन-मृत्यु का मसला है और इसपर बयानबाजी से बचा जाना चाहिए लेकिन इसपर कोई बात ही न करना इसे और खतरनाक बना सकता है। बेरोजगारी को सिर्फ सरकारी नीतियों की विफलता के रूप में देखना एक तरह का सरलीकरण है। अर्थव्यवस्था के विविध क्षेत्रों का उतार-चढ़ाव पूरी दुनिया से जुड़ा होता है। एक समय भारत में बीपीओ सेक्टर तेजी से फला-फूला लेकिन फिर विभिन्न वजहों से इसमें शिथिलता आ गई। निर्यात में आ रही कमी ने भी समस्या बढ़ाई है। रोजगार उपलब्ध कराने में का सबसे अधिक योगदान मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का होता है, जो काफी समय से ढीला चल रहा है। बेरोजगारी दूर करने के लिए चीन की तरह हमें भी श्रम प्रधान उद्योगों को बढ़ावा देना होगा और कुछ ऐसा करना होगा कि इनमें उद्योगपतियों की खास दिलचस्पी पैदा हो। लेकिन यह सब तभी होगा, जब सरकार यह माने कि अभी के भारत में बेरोजगारी एक बड़ी समस्या है।

राफेल का पास-फेल

आम चुनावों के समर में जब भाजपा राफेल मुद्दे पर राहत महसूस कर रही थी, तभी सुप्रीमकोर्ट ने मुद्दे पर पुनर्विचार याचिकाएं स्वीकार कर सरकार की चिंताएं बढ़ा दी हैं। कोर्ट ने सरकार की उस दलील को खारिज किया कि चुराये गये दस्तावेजों के आधार पर पेश दलीलों को स्वीकार न किया जाये। रक्षा मंत्रालय द्वारा सूचनाओं के सार्वजनीकरण से उत्पन्न राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंताओं की बात से आगे बढ़कर अदालत ने माना है कि यदि इससे सार्वजनिक हित जुड़ा हो तो ऐसा होना चाहिए। सवाल इस मुद्दे की प्रासंगिकता का है। सबसे महत्वपूर्ण यह कि कोर्ट ने माना कि न संसद और न ही अंग्रेजी शासन के दौर का कोई कानून सरकारी गोपनीयता के नाम पर सूचना को प्रकाशन से नहीं रोक सकता। साथ ही यह भी कि मीडिया ने भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उल्लेखनीय है कि 14 दिसंबर, 2018 को सुप्रीमकोर्ट ने एक फैसले में कहा था कि राफेल विमान सौदे की खरीद प्रक्रिया में किसी तरह की अनियमितता नजर नहीं आती।

निस्संदेह कई मुद्दे राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर सार्वजनिक किये जाने की दृष्टि से संवेदनशील होते हैं। यदि पारदर्शिता के अभाव में अविश्वास उपजे तो जनता को हकीकत जानने का अधिकार है।

इसमें दो राय नहीं कि इस विवाद के राजनीतिक निहितार्थ हैं। इस मुद्दे की पारदर्शिता का सवाल खड़ा करने वालों का भी पारदर्शिता से गहरा सरोकार नहीं रहा है। स्पष्ट है कि यह मामला रक्षा सौदों की पारदर्शिता से जुड़ा है, जिसको लेकर पिछली सरकारों में विवाद उठते रहे हैं। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोपों का खमियाजा भारतीय सेना को भुगतना पड़ता रहा है। उसे अपनी जरूरत के हथियार समय पर नहीं मिल पाये हैं। जाहिर है राफेल डील से जुड़े नये दस्तावेजों के साथ मुद्दा न्यायिक परिदृश्य में आने के बाद राजग सरकार को ठोस तथ्यों के साथ अदालत के सामने आना होगा। जनता में भी मुद्दे के सभी पक्षों को जानने की रुचि बढ़ेगी। एक निष्कर्ष यह भी है कि यदि खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता का पूरी तरह से पालन किया गया होता तो विवाद इतना तूल न पकड़ता। किसी राजनीतिक दल ने बोफोर्स के मुद्दे को उछाला तो किसी ने राफेल को। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि राफेल खरीद पर कोई फैसला लेते वक्त न्यायालय रक्षा सौदों से जुड़े कुछ दिशा-निर्देश तय करे ताकि भविष्य में फिर ऐसे अप्रिय विवाद न उठ सकें। साथ ही सेना की जरूरत के सामान की आपूर्ति आवश्यकता के अनुरूप व समय से हो सके।

महेंद्रा ग्रुप, फोर्ड लेकर आएंगे मध्यम आकार की एसयूवी

मुम्बई। महेंद्रा ग्रुप और फोर्ड मोटर कम्पनी ने गुरुवार को मध्यम आकार की स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) के विकास के लिए निश्चित समझौता किया। नए करार के बाद दोनों कम्पनियों द्वारा गुरुवार को जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि महेंद्रा और फोर्ड भारत तथा उभरते हुए बाजारों के लिए बेंचमार्क उत्पाद लेकर आएंगे। बयान में कहा गया है, दोनों कम्पनियों के बीच सितम्बर 2017 में ही इस सम्बंध में रणनीतिक करार हुआ था। अब इस सम्बंध में विकास हुअ है। अक्टूबर 2018 में दोनों ने पारवट्रेन शेयरिंग और कनेक्टेड कार सॉल्यूशंस के क्षेत्र में

सहमति जताई थी और अब दोनों नई दिशा में अग्रसर हो गए हैं। बयान में कहा गया है कि नई एसयूवी महेंद्रा प्रॉडक्ट प्लेटफार्म और पावरट्रेन खासियत से लैस होगी और इसी कारण यह ड्राइविंग इंजीनियरिंग और कामर्शियल गुणों से परिपूर्ण होगी।

12 घंटे काम करने की नसीहत वाले जैकमा के बयान पर चीन में बहस छिड़ी

बीजिंग। चीन की आन लाइन बाजार चलाने वाली कंपनी अलीबाबा के प्रमुख जैक मा ने युवकों को रोज ज्यादा घंटे काम करने की सलाह क्या दे दी, देश में काम और आराम के बीच तालमेल को लेकर बहस छिड़ गयी है। जैक मा चीन के सबसे अमीर आदमी हैं । उन्होंने पिछले सप्ताह कहा कि युवाओं को धन कमाना है तो उन्हें हर सप्ताह छह दिन 12-12 घंटे काम करना चाहिए। उनके इस बयान की आलोचना हो रही है तो चीन में आर्थिक वृद्धि दर में गिरावट के इस दौर में कई लोग उनके पक्ष में भी बोल रहे हैं। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के मुख-पत्र पीपल्स डेली ने एक सम्पादकीय टिप्पणी में लिखा कि 'ओवरटाइम अनिवार्य' करने की बात में प्रबंधकों का घमंड झलकता है। अखबार ने इस तरह के सुझाव को अव्यावहारिक और अनुचित बताया है। चीन में आनलाइन कार्य संबंधी शिकायतों में एक बड़ी शिकायत यह भी है कि लंबी ड्यूटी के चलते ही देश में जन्म दर में गिरावट आयी है। जैक मा ने आलोचनाओं के जवाब में लिखा कि काम में आनंद होना चाहिए इसमें अध्ययन , चिंतन और आत्म-सुधार का समय भी शामिल होना चाहिए।

बीबीबी ने निदेशक स्तर के पदों के लिए 75 अधिकारयों को सूची तैयार की

नईदिल्ली। सरकारी बैंकों में निदेशक पद की नियुक्तियों के लिए अभ्यर्थियों का चयन करने वाले शीर्ष निकाय बैंक्स बोर्ड ब्यूरो (बीबीबी) ने प्रबंधक पद पर काम कर रहे 75 वरिष्ठ अधिकारियों की सूची बनायी है। इन्हें आने वाले समय में बैंकों में नेतृत्वकारी जगहों पर रखा जा सकता है। बीबीबी ने अपने कार्यों के बारे में एक ताजा रपट में यह जानकारी दी है। अक्तूबर 2018 से मार्च 2019 के बीच की इस रपट में कहा गया है कि 450 वरिष्ठ प्रबंधकों की एक सूची से ऐसे 75 अधिकारियों

को छांटा गया है जो भविष्य में सरकारी बैंकों को वर्तमान और उभरती चुनौतियों का सामना करने में मदद कर सकते हैं। ये अधिकारी भविष्य के लिए इन बैंकों के नेतृत्व की कड़ियां तैयार करने में मदद कर सकते हैं।

मुम्बई ने हमें खेल के हर विभाग में दोयम साबित किया : श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि मुम्बई इंडियंस ने बीती रात हुए आईपीएल मुकाबले में उनकी टीम को खेल के हर विभाग में दोयम साबित किया। दिल्ली को रोहित शर्मा की कप्तानी वाली मुम्बई इंडियंस टीम के खिलाफ 40 रनों से हार मिली। दिल्ली की टीम फिरोजशाह कोटला मैदान पर 169 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 9 विकेट पर 128 रन ही बना सकी। मैच के बाद अय्यर ने कहा, हमारे लिए घरेलू मैच जीतने जरूरी हैं। हम टॉस हारे और फिर खेल के हर विभाग में पीछे रहे। मुम्बई को इसका श्रेय दिया जाना चाहिए। इस सीजन

में दिल्ली टीम की यह अपने घरेलू मैदान पर चार मैचों में तीसरी हार थी। इस हार पर अय्यर ने आगे कहा, हमने इस विकेट पर 20 रन अतिरिक्त दिए। साथ ही हेथ ओवर्स में हमारी गेंदबाजी चिंता का विषय है। दिल्ली की टीम अभी 10 अंकों के साथ आठ टीमों की तालिका में तीसरे स्थान पर है जबकि मुम्बई की टीम नौ में से छह मैच जीतते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

रोहित ने युवा स्पिनर राहुल चाहर की तारीफ की

नई दिल्ली। मुम्बई इंडियंस टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स पर मिली 40 रनों की जीत में अहम किरदार निभाने वाले युवा स्पिन गेंदबाज राहुल चाहर की जमकर तारीफ की है। अपनी टीम की जीत के बाद रोहित ने कहा कि चाहर अपनी रणनीति के साथ तैयार रहते हैं और उसे लागू भी करने की कोशिश करते हैं और यह एक अच्छे खिलाड़ी की पहचान है। मुम्बई ने दिल्ली को 40 रनों से हराया। पहले खेलते हुए मुम्बई ने दिल्ली को 169 रनों का लक्ष्य दिया लेकिन मेजबान टीम 9 विकेट पर 128 रन ही बना सकी। यह अपने घरेलू मैदान पर मेजबान टीम की इस सीजन में चार मैचो में तीसरी हार है। मैच के बाद रोहित ने कहा, राहुल अच्छे गेंदबाज हैं। वह रणनीति के साथ तैयार रहते हैं और उसे लागू भी करते हैं। वह बाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए खासा परेशानी बने रहे। वह उन्हें काफी आत्मविश्वास के साथ गेंदबाजी करा रहे थे। मैच से पहले ही राहुल ने मुझे इस सम्बंध में बताया था। मुम्बई की टीम नौ में से छह मैच जीतकर अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। उसका अगला मैच राजस्थान रॉयल्स से शनिवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में होना है।दूसरी ओर, दिल्ली की टीम 10 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गई है।

बायर्न के खेल निदेशक पर लगा जुर्माना

बर्लिन। जर्मन फुटबाल महासंघ ने रेफरी के खिलाफ गलत व्यवहार करने को लेकर जर्मन लीग फुटबाल क्लब बायर्न म्यूनिख के खेल निदेशक हासन सालिहामिदजिक पर 8000 यूरो का जुर्माना लगाया है।

हासन पर गुरुवार को यह जुर्माना लगाया गया। जर्मन कप चार्टर फाइनल मैच के दौरान हासन ने रेफरी गुइदो विंकमैन के खिलाफ गलत व्यवहार किया था। बायर्न ने सेकेंड टीयर टीम हेडेनहेम के खिलाफ यह मैच 5-4 से जीता।

हासन ने अपने व्यवहार के लिए बाद में माफी मांग ली और साफ किया कि वह जर्मन फुटबाल महासंघ के इस फैसले के खिलाफ अपील नहीं करेंगे।

आज का राशिफल

मेष: आज आपको शासन द्वारा सम्मानित किये जाने की संभावना रहेगी।

वृषभ: आज के दिन आप बहुत व्यस्त रहेंगे, ज्यादा भागदौड़ में सावधानी बरतें। आपकी निर्णय लेन की क्षमताओं का आपको आज लाभ मिल सकता है।

मिथुन: आज आप फिजूल के खर्च से बचें। यदि आप किसी शारीरिक रोग से पीड़ित हैं तो आज कष्ट की वृद्धि हो सकती है।

कर्क: भाग्य की दृष्टि से आज का दिन उत्तम रहेगा। आपके परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा।

सिंह: आज का दिन मिश्रित फलकारक है। मानसिक अशांति, खिन्नता एवं उदासीनता के कारण आप भटक सकते हैं।

कन्या: आज आपमें निर्भीकता का भाव रहेगा तथा साहसपूर्वक अपने कठिन कार्यों को संपन्न करने में सक्षम रहेंगे। आपको अपने माता-पिता का सुख सहयोग यथेष्ठ रूप से प्राप्त होगा।

तुला: आज का दिन आपके लिए शुभकारक है। आपके अधिकार व संपत्ति में वृद्धि होगी। आप दूसरों के भले की सोचेंगे एवं दिल से सेवा भी करेंगे।

वृश्चिक: आज आपका मन अशांत एवं परेशान रहेगा। व्यापार वृद्धि के लिए किए गए प्रयास निष्फल हो सकते हैं।

धनु: आज आपकी विद्या-ज्ञान की वृद्धि होगी। आपके अन्दर दान पुण्य एवं परोपकार की भावना विकसित होगी।

मकर: आज आपको बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति के साथ साथ ऐसे अनावश्यक खर्च भी सामने आएंगे जो कि न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ सकते हैं।

कुंभ: आज का दिन बुद्धि विवके से नई-नई खोज करने में व्यतीत होगा।

मीन: आज दशम भाव में धनु राशि का बृहस्पति होने के कारण बहुत समय से लटका हुआ पुत्र या पुत्री से संबंधित किसी विवाद का हल निकल आएगा।

पोटली कबाब रेसिपी

सामग्री :

2 बोनलेस चिकेन ब्रेस्ट, नमक और काली मिर्च पाउडर स्वादानुसार, 20 मिलीलीटर नींबू का रस, 20 ग्राम कसा हुआ चीज़, 60 ग्राम चिकेन कीमा, 10 ग्राम धनिया, 20 ग्राम बारीक कटे ड्राईफ्रूट्स, 5 ग्राम बारीक कटी हुई अदरक, 50 ग्राम हंग कर्ड, 10 ग्राम काजू का पेस्ट, 30 मिली क्रीम, 1 अंडा, थोड़ा सा चाट मसाला, 10 मिली तेल।

विधि :

चिकेन ब्रेस्ट के पीस को फ्लैट चाकू से सीधा करें। इसे अब नमक, काली मिर्च पाउडर और नींबू का रस डालकर आधा घंटे के लिए मैरिनेट होने रखें। सॉसपैन में तेल डालकर चिकेन कीमा को पकाएं। अब इसमें धनिया, चीज़, ड्राईफ्रूट्स और काली मिर्च एक साथ मिलाएं। स्टफिंग के लिए ठंडा करें। चिकेन ब्रेस्ट के बीच में स्टफिंग भरें और इसे रोल करें। टूथपिक से इसे बंद कर दें। एक बड़े बोल में दही, काजू का पेस्ट, क्रीम, अंडा, नमक और क्रीम डालकर मिलाएं। इसमें पोटली कबाब रखें। इसे अच्छी तरह मिलाएं। एक घंटे के लिए फ्रिज में रखें। एयर फ्रायर की बास्केट में ऑयल लगाएं। इसमें कबाब रखें और ऑयल का स्प्रे करें। अब इसे 180 डिग्री सेल्सियस पर 18 मिनट के लिए फ्राई करें। पुदीने की चटनी के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-39

बाएं से दाएं
1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे
1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

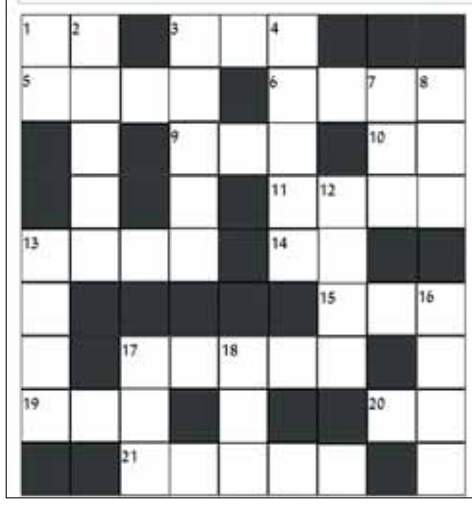

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 38 का हल

वा	स्ता			सि	स	की		
जि		ल	प	ट		मा	चि	स
ब	द	ला		क			ल	
		ट		नी	ल	क	म	ल
ता	ली		का		की			हू
क		स	रो	का	र			लु
झां		ज	बा	न		म	सी	हा
क	च	ना	र		भा	र्या		न
	मं			ज	र	दा		

सू-दोकू-39

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.38 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1